जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम – मदाऊ पोस्ट- भाँकरोटा, जयपुर, (राज.)

श्री अग्रदेवाचार्य ग्रन्थागार

परिचय :-

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय माह फरवरी 2006 में परिसर स्थिति श्री अग्रदेवाचार्यजी ग्रन्थागार नवीन भवन में स्थापित किया गया। इस केन्द्रीय पुस्तकालय के संस्थापक पुस्तकालयाध्यक्ष के रुप में श्री सोहनलाल यादव को नियुक्त किया गया जो वर्तमान में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं।

उद्देश्य :-

सम्पूर्ण संस्कृतवाङ्गमय के अध्ययन अध्यापन के साथ- साथ इसमें निहित ज्ञान विज्ञान को विशेषज्ञीय, अनुसन्धान द्वारा प्रकाश में लाने तथा संस्कृत शिक्षा को एक नई दिशा प्रदान करना।

संग्रह :-

श्री अग्रदेवाचार्यजी ग्रन्थागार, संस्कृत के बहुमूल्य ग्रन्थों, सन्दर्भ पुस्तकों, सामान्य पुस्तकों, तथा संस्कृत पत्र पत्रिकाओं का अपने आप में एक समृद्ध पुस्तकालय है। संस्कृत वाङ्गमय, वेद, धर्मशास्त्र, पुराण, साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन, कम्प्यूटर आदि विषयों की पुस्तकों का अनुपम संग्रह है। इसके अलावा हस्तलिखित ग्रन्थ सूचियाँ भी संग्रहित है। संस्कृत के क्षेत्र में कार्यरत 50 से अधिक अकादमियों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों का विशेष संग्रह भी उपलबध है। जून 2010 तक लगभग 31,832 पुस्तकें संग्रहीत है तथा लगभग 80 संस्कृत शोध तथा सामान्य पत्र पत्रिकाएँ भी मँगवाई जा रही है।

गत वर्षों में केन्द्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों की प्राप्ति निम्नानुसार है-

क्र.सं.	वित्तीर्य वर्ष	प्राप्त हुई पुस्तकों की संख्या (Annual Procurement)

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com

1	2002-03	403
2	2003-04	92
3	2004-05	558
4	2005-06	2095
5	2006-07	10186
6	2007-08	16031
7	2008-09	1677
8	2009-10	703
कुल प्राप्त पुस्तकें		**31745 मार्च 2010 तक**

❖ **पुस्तकों का व्यवस्थापन :-**

पुस्तकालय में पुस्तकों को विषयवार, द्विबिन्दु वर्गीकरण पद्धति के अनुसार वर्गीकृत कर व्यवस्थापन किया जा रहा है।

❖ **ग्रन्थालय स्वचालन :-**

संग्रहीत ग्रन्थों का एन.आई.सी. द्वारा विकसित **ई-ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर (3.0)** में डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। लगभग 10.425 पुस्तकों का डाटाबेस तैयार हो गया है जिससे पाठक OPAC पर पुस्तकों के लेखक, पुस्तकशीर्षक, प्रकाशक, विषय तथा की-वर्ड की सहायता लेकर अपनी पुस्तकें खोज सकते है। पाठकों को कम्प्यूटर पर ही पुस्तकों का आगम-निर्गम किया जा रहा है।

❖ **पुस्तकालय सेवाऐं:-**

1. परिसंचरण सेवा (Circulation Service)
2. सन्दर्भ सेवा (Reference Service)
3. वाङ्मय सेवा (Bibliography Service)
4. अन्त:पुस्तकालय ऋण सेवा (Inter Library Loan Service)

❖ **पुस्तकालय समय: -**

प्रात: 08.30 से 2.00 तक

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com

सांय: 05.00 से 9.00 तक

❖ **पुस्तकालय सदस्यता :-**

अधोलिखित व्यक्ति विश्वविद्यालय पुस्तकालय के सदस्य बन सकते है –

1. कार्यपरिषद, विद्या परिषद, कुलसचिव द्वारा गठित पुस्तकालय समिति सदस्य एवं संकाय सदस्य।
2. विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी/कर्मचारी वर्ग,
3. शास्त्री/आचार्य/शिक्षाशास्त्री/शिक्षाचार्य के विद्यार्थियों के साथ-साथ विद्यानिधि एवं अनुसंधान एसोसियेट/स्कॉलर छात्रों को उनके विभागों के प्रमुखों की सिफारिश पर।
4. सदस्यों को पुस्तकालय में पुस्तक आदान-प्रदान निम्नानुसार होगा -

क्र.सं.	सदस्यता का प्रकार	पुस्तकों की संख्या	पुस्तकों के उपयोग की अवधि
1	शास्त्री/आचार्य, (छात्र/छात्रा)	02	15 दिवस
2	विद्यानिधि एवं शिक्षाचार्य विद्यार्थी	03	01 माह
3	पंजीकृत अनुसंधान स्कॉलर (पी.एच.डी.)	05	01 माह
4	शिक्षकगण, आचार्य, सह. आचार्य, सहा. आचार्य एवं अधिकारी गण	20	अकादमिक सत्र के लिए
5	स्टॉफ (मंत्रालयिक/अधीनस्थ/च.श्रे.क.)	05	01 माह
6	अन्य सदस्य	02	15 दिवस
7	अन्त: पुस्तकालय आदान-प्रदान	02	07

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com

❖ **विलम्ब शुल्क :-**

छात्रों द्वारा निश्चित अवधि के पश्चात् पुस्तक लौटाने पर प्रति पुस्तक 0.50 रू. प्रतिदिन की दर से विलम्ब शुल्क देय होगा।

❖ **वाचनालय व्यवस्था :-**

वाचनालय में लगभग 150 पाठकों के बैठने की व्यवस्था उपलबध है। शोधार्थियों के लिए 20 शोध कैबिन भी उपलब्ध है।

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com